पाठ 1. प्रणति

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. (क) उनकी संख्या बहुत अधिक है।

(ख) उन्हें कोई जानता तक नहीं है।

(ग) विपरीत परिस्थितियों का

(घ) अपने आपको कुर्बान करते हुए देश के लोगों को नई राह दिखाई।

(ङ) कवि अपनी वाणी का माध्यम कलम को ही मानता है।

प्रश्न 3. (क) यह जगदंबा प्रसाद मिश्र 'हितैषी' द्वारा रचित देशभक्ति गीत है। उत्तर प्रदेश के कानपुर में बने रामप्रसाद 'बिस्मिल' के स्मारक के नीचे यह कविता अंकित है।

(ख) यह देशभक्ति गीत भगतसिंह से संबंधित है। जब अंग्रेज़ भगतसिंह को फाँसी देने के लिए ले जा रहे थे तब उन्होंने यह गीत गाया था।

प्रश्न 4. (क) क्रांति की चिंनगारी को भड़काने के लिए अनगिनत वीर कुर्बानी की पवित्र वेदी पर शहीद हुए हैं। इसीलिए कवि ने उन अनगिनत वीरों को श्रद्धांजलि देने के लिए अपनी कलम से उनकी जय बोलने को कहा।

(ख) यहाँ अस्थियाँ जलाने का अभिप्राय है, वीरों का कुर्बानी की वेदी पर शहीद होना।

(ग) कुर्बानी की पवित्र-वेदी को 'पुण्य-वेदी' कहा गया है। क्योंकि हमारे वीरों ने इसी पवित्र-वेदी पर चढ़कर ही अपना जीवन समर्पित किया था।

(घ) गरदन का मोल लेना– जान की परवाह करना (वाक्य विद्यार्थी स्वयं बनाएँ)

प्रश्न 5. (क) क्योंकि देशभक्त ही अपनों का और अपने जीवन का मोह त्यागकर देश के लिए कुर्बान हो जाते हैं। देश के लिए मौत को गले लगा लेते हैं। इसलिए सच्चाई और अच्छाई की रक्षा के लिए शहीद होने वाले किसी भी देशभक्त की कुर्बानी का मूल्य नहीं आँका जा सकता।

(ख) 'तूफ़ानों में एक किनारे' से अभिप्राय है कि आँधी और तूफ़ानों के विरुद्ध जलने वाले दीपकों के समान देशभक्तों ने विपरीत परिस्थितियों में अपने जीवन की संपूर्ण ऊर्जा देश को प्रकाशित करने में लगा दी तथा सच्चाई और अच्छाई की रक्षा के लिए शहीद हो गए।

(ग) कवि ने सूर्य, चंद्र, भूगोल और खगोल को शहीदों की महानता का साक्षी बताया है।

(घ) कविता का शीर्षक 'प्रणति' इसीलिए रखा गया क्योंकि उन वीरों ने जीवन की संपूर्ण ऊर्जा जगत को प्रकाशित करने में लगा दी। अच्छाई और सच्चाई की रक्षा के लिए शहीद हो गए।

प्रश्न 6. (क) हमारे शहीदों ने देश के लिए बलिदान दिया। अपने रक्त से देश की हर दिशाओं, हर कोने को सींचा। आज देश की हर दिशा उनके बलिदान की आग उगल रही है। उनकी कहानी कह रही है। हमारे शहीदों के गर्जन से धरती आज तक काँप रही है। इसीलिए कलम उनकी ही जय बोल, बस उनकी वीरता की कहानी सुना।

(ख) संसार के कई लोग भौतिक सुखों की चकाचौंध में इस तरह उलझे होते हैं कि उन्हें इतिहास और वर्तमान के बारे में कुछ पता नहीं होता। ऐसे लोग परमार्थ और उच्च आदर्शों वाले लोगों को समझ नहीं पाते। सिर्फ़ सूर्य, चाँद, धरती और अतंरिक्ष उनकी महानता का साक्षी हैं।

प्रश्न 7. (क) ऐतिहासिक, ऐतिहासिकता **(ख)** भौगोलिक, भौगोलिकता
(ग) पुण्यात्मा, पुण्यवान **(घ)** स्नेहिल, स्नेहपूर्ण **(ङ)** अंधापन, अंधाधुंध
(च) लालिमा, लाली

प्रश्न 8. (क) अस्थियाँ **(ख)** दिशाएँ **(ग)** अंधे **(घ)** चिनगारियाँ
(ङ) शिखाएँ **(च)** कलमें

प्रश्न 9, 10 एवं 11 विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 2. आत्माराम

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. **(क)** सही **(ख)** गलत **(ग)** सही **(घ)** सही **(ङ)** सही

प्रश्न 3. **(क)** दुखमय **(ख)** तीन **(ग)** सही

प्रश्न 4. पिता के पिता = दादा; माता के पिता = नाना; पति की बहन = ननद; बेटे का बेटा = पोता; बेटी का बेटा = नाती; बेटे की पत्नी = बहू; पति के पिता = श्वसुर; बेटी का पति = दामाद; पत्नी की माता = सास; पत्नी का भाई = साला; माता की माता = नानी; पति का छोटा भाई = देवर

प्रश्न 5. **(क)** तोता जिस समय डाल से उतरकर आया, वह अरुणोदय का समय था।

(ख) महादेव प्रफुल्लित होकर दौड़ा और पिंजरे को उठाकर बोला, आत्माराम तुमने कष्ट तो बहुत दिया पर मेरा जीवन सफल कर दिया।

(ग) महादेव ने अपने तोते को चाँदी के पिंजरे में रखने और उसे सोने से मढ़ने की बात कही।

(घ) महादेव घर की ओर चल दिया।

(ङ) अरुण + उदय

प्रश्न 6. **(क)** महादेव के बेटों ने एक-दूसरे से कही। क्योंकि वे पिता की मदद करना तो दूर वैसे ही पिता की मेहनत से सुख भोगना चाहते थे।

(ख) पुरोहित ने महादेव से कहा। क्योंकि महादेव ने कहा था जिसके चोखे माल को खोट कर दिया दो वह आकर एक-एक कौड़ी चुका ले।

प्रश्न 7. **(क)** ज्योंही लोगों के कानों में आवाज़ आती – "सत्त गुरुदत्त शिवदत्त दाता।" लोग समझ जाते सवेरा होने को है।

(ख) महादेव सोनार के बेटे कहा करते, जब तक दादा जीते हैं, हम जीवन का आनंद भोग लें, फिर तो यह ढोल गले पड़ेगा ही।

(ग) तोता पिंजरे से निकलकर खपरैल पर बैठा था।

(घ) रात के अंधेरे में महादेव सोनार ने एक वृक्ष के नीचे एक धुँधला जलता दीपक देखा और दीपक के पास एक कलसा रखा हुआ था जिसमें मोहरे थीं।

(ङ) उसने कुछ मोहरें कमर में बाँधीं और फिर लकड़ी से मिट्टी हटाकर गड्ढे बनाए, उन्हें मोहरों से भरकर मिट्टी से ढक दिया।

(च) महादेव लेनदारों की राह देखने के साथ साधु-अभ्यागत जो द्वार पर आते-जाते, उनका यथायोग्य सत्कार करता है। दूर-दूर तक उसका सुयश फैल गया।

(छ) महादेव के सद्व्यवहार को देखकर एक महीना पूरा होने पर एक भी व्यक्ति हिसाब लेने न आया। शायद लोगों को उसके प्रति श्रद्धा-सी हो गई थी।

प्रश्न 8. **(क)** कर्ता **(ख)** कर्म **(ग)** कर्म **(घ)** कर्म **(ङ)** कर्म

प्रश्न 9. **(क)** बहुत बड़ा धक्का लगना **(ख)** अनहोनी घटित होना

(ग) मजबूरी में ज़िम्मेदारी सिर पर आना **(घ)** बेईमानी करना

(ङ) प्रसन्न होना **(च)** इंतज़ार करना

प्रश्न 10.(क) पुत्र – बेटा, सुत, तनय **(ख)** बाग – फुलवारी, उपवन, वाटिका
(ग) पेड़ – वृक्ष, तरु, विटप **(घ)** सूरज – सूर्य, रवि, दिनकर
(ङ) घर – गृह, सदन, आलय **(च)** भगवान – ईश्वर, देवता, ईश

प्रश्न 11.(क) अ + साधारण **(ख)** सु + विख्यात **(ग)** स + शंक
(घ) अ + विश्वास **(ङ)** बे + ईमान **(च)** सु + यश

प्रश्न 12, 13 एवं 14 विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 3. फुसफुसाहट

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. **(क)** रघु ने **(ख)** राजा से **(ग)** रघु बेईमानों का पर्दाफाश करना चाहता था।

प्रश्न 3. **(क)** एक सौ मोहरे **(ख)** रघु ने राजा से क्या कहा है। **(ग)** स्वयं रघु को

प्रश्न 4. फुसफुसाहट, चिल्लाहट, घबराहट, हड़बड़ाहट

प्रश्न 5. **(क)** रघु राजू को पहचान न सका।

(ख) राजू दिखने में छोटे-मोटे हाथी जैसा लग रहा था।

(ग) राजू ने रघु की दशा के बारे में कहा, रघु! तुम कैसे दरिद्र दिखाई दे रहे हो! और तुमने, कितने गंदे कपड़े पहन रखे हैं।

(घ) विशेषण - शानदार; विशेष्य - पोशाक

प्रश्न 6. **(क)** रघु और राजू-दो लड़के एक छोटे से गाँव में रहते थे। दोनों ही एक उम्र के थे और एक ही स्कूल में पढ़ते थे। रघु ईमानदार था बहुत मेहनत से काम करता था, लेकिन राजू चतुर और बेईमान था।

(ख) पढ़ाई-लिखाई समाप्त कर, रघु गाँव में रहकर ही अपने बाप-दादा की ज़मीन में खेती-बाड़ी का काम देखता था।

(ग) रघु अपने गाँव के एक उत्सव के लिए सामान खरीदने शहर गया था।

(घ) राजू ने रघु से कहा तुम कैसे दरिद्र दिखाई दे रहे हो। और तुमने कितने गंदे कपड़े पहने हैं। अब ज़रा मेरी ओर देखो, मैं बिलकुल राजा जैसा दिखाई दे रहा हूँ न! ज़रा मेरे कपड़े भी देखो। उसने कहा एक नज़र मेरे महल पर डालो। आज मैं जो कुछ बना हूँ, वह अपनी खूबियों के कारण ही तो बना हूँ। तुम तो रहे बुद्धू-के-बुद्धू।

(ङ) राजा एक दिन बगीचे में टहल रहा था तो एक अजनबी वहाँ आया उसने राजा को एक-से-एक सुंदर उपहार दिए और महाराजा से कहा कि मैं गुप्त रूप से प्रतिदिन आपको सोने की पचास मोहरें देना चाहता हूँ बदले में इतना चाहता हूँ कि आप मुझे प्रतिदिन अपने दरबार में आने दें और कान में फुसफुसाने दें।

(च) राजू की हालत बुरी हो गई। वह हैरान और परेशान हो गया और असलियत जानने के लिए रघु का पीछा करने लगा।

(घ) रघु ने तीसरे दिन राजा के कान में कोहरे और बूँदाबाँदी की बात फुसफुसाई।

प्रश्न 7. **(क)** निर्धन **(ख)** प्रकट **(ग)** जवाब, एक दिशा विशेष **(घ)** ई

प्रश्न 8. **(क)** स्त्रीलिंग **(ख)** पुल्लिंग **(ग)** स्त्रीलिंग **(घ)** स्त्रीलिंग

(ङ) पुल्लिंग **(च)** स्त्रीलिंग

प्रश्न 9. **(क)** कौन **(ख)** किसे **(ग)** किसने **(घ)** किसके **(ङ)** क्या

प्रश्न 10 एवं 11 विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 4. कर्मवीर

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. (क) वह दुख भोगता है और पछताता है।

(ख) भाग्यवादी व्यक्ति पराक्रमी नहीं होता है।

(ग) कर्मवीर चुनौतियों से प्यार करते हैं।

(घ) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

प्रश्न 3. (क) सतयुग - राजा हरिश्चंद्र **(ख)** द्‌वापर युग – श्रीकृष्ण

(ग) त्रेता युग – श्रीराम **(घ)** कलयुग – महात्मा गांधी

प्रश्न 4. (क) कर्मवीर व्यक्ति दूसरों का मुँह मदद के लिए इसीलिए नहीं ताकते क्योंकि वे कठिनाई से घबराते नहीं हैं। ऐसा कोई काम नहीं है जिसे वे नहीं कर सकते हों।

(ख) कर्मवीरों के लिए कोई काम कठिन नहीं होता-ऐसा भाव निम्नलिखित पंक्तियों से प्रकट होता है
कौन ऐसा काम है, वे कर जिसे सकते नहीं।

(ग) उन कर्मवीर लोगों की उपस्थिति से जोड़ा है जो कर्म में विश्वास करते हैं। भाग्य पर नहीं। अपने जीवन की राह स्वयं बनाते हैं। जो छोटी-छोटी बातों से उत्तेजित नहीं होते शांत रहते हैं।

(घ) यहाँ जाति से अभिप्राय जात-पात से नहीं, बल्कि मानव जाति से है मनुष्य समाज से है।

(ङ) बुराई, विदेश।

प्रश्न 5. (क) भीड़ में चंचल दिखने वाले व्यक्ति कर्मवीर नहीं होते क्योंकि वे छोटी-छोटी बातों से उत्तेजित हो जाते हैं। शांत नहीं, संकट के समय दूसरों का मुँह ताकने लगते हैं।

(ख) भाग्यवादी न होकर कर्म में विश्वास करना अर्थात कर्मयोगी होना, धैर्यशील व शान्त होना, आज का काम कल पर न छोड़ना, बुरे दिन को भले दिन में परिवर्तित करने का मूल मंत्र है।

(ग) आज का काम आज ही न करने का परिणाम होता है कि हमारे अन्दर गलत आदत पनपने लगती है। कभी-कभी तो कार्य पूरा होता ही नहीं होता केवल कल-कल पर ही रह जाता है। धीरे-धीरे इंसान के अंदर आत्मविश्वास की कमी हो जाती है, धैर्य नहीं रहता और छोटी-छोटी बातों पर उत्तेजित होने लगता है।

(घ) सबकी बातें सुनना और अपने मन के अनुसार कार्य करना तर्क संगत है। क्योंकि ऐसा करना इंसान के आत्मविश्वास को, उसकी धैर्यशीलता और निडरता को दर्शाता है।

(ङ) दूसरे से मदद की आशा करना कोई बुरी बात नहीं है। हर इंसान की शारीरिक, मानसिक और आर्थिक स्थिति समान नहीं होती। कभी हालात हमारे नियंत्रण में नहीं होते। सड़क दुर्घटना में पड़ा निस्सहाय इंसान दूसरों से मदद लेता है तो वह दूसरों की नजर में कर्मवीर नहीं है यह गलत है। आपातकालीन

स्थिति में किसी से मदद लेना या किसी के द्‌वारा मदद की गई हो उसे कर्मवीर न कहना सर्कसंगत नहीं है।

प्रश्न 6. (क) कर्मवीरों के लिए कोई भी कार्य असंभव नहीं है। कर्म में विश्वास करना भाग्यावादी न होना और धैर्य रखने वाले वीर अपना काम भी समय पर करते हैं। ऐसे वीरों के लिए कोई भी कार्य ऐसा नहीं जो वे न कर सकते हों।

(ख) कर्मवीर लोग जो सोचते हैं, कहते हैं, वही करके रहते हैं। चाहे कोई भी संकट उनके आगे आए वे टस-से-मस नहीं होते।

प्रश्न 7. (क) हारना **(ख)** उदास होना **(ग)** गलत आदत पड़ना **(घ)** चुप करना

प्रश्न 8. (क) फूल – पुष्प, फूलने का भाव

(ख) फल – परिणाम, खाने वाले फल जैसे–सेब, केला, आदि

(ग) कर – हाथ, टैक्स **(घ)** जी – मन, जीभ

प्रश्न 9. (क) दुर्भाग्य **(ख)** विदेश **(ग)** असमय **(घ)** दुर्दिन

प्रश्न 10, 11 एवं 12 विद्‌यार्थी स्वयं करें।

पाठ 5. एक कुत्ता एक मैना

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. (क) कोलकाता से **(ख)** सहज-बोध के बल पर
(ग) वह भी शोक में डूब गया।

प्रश्न 3. (क) बोलपुर (पश्चिम बंगाल) **(ख)** गीतांजलि **(ग)** देबेन्द्रनाथ टैगोर

प्रश्न 4. (क) लेखक जब गुरुदेव के पास गया तो उन्होंने वहाँ देखा एक लँगड़ी मैना छत पर फुदक रही है।
(ख) गुरुदेव ने मैना की चाल में करुण भाव दिखाई देने की बात कही।
(ग) क्योंकि लेखक के अनुभव के अनुसार मैना करुण-भाव वाली पक्षी नहीं है। गुरु जी के कहने पर उन्हें मैना का करुण-भाव दिखाई दिया।
(घ) लेखक मैना को चालाक पक्षी मानते थे। उनका अनुभव था मैना करुण भाव दिखाने वाला पक्षी नहीं है।
(ङ) विशेषण (सार्वनामिक) है।

प्रश्न 5. (क) गुरुदेव श्रीनिकेतन में आनंद से इसीलिए रह पाते थे, क्योंकि वहाँ शांतिनिकेतन की तरह भीड़-भाड़ नहीं थी।
(ख) कुत्ते के दुम हिलाने के पीछे यह कारण था कि वह अपने मालिक के प्रति अपना स्नेह प्रकट कर रहा था और उनके स्नेहपूर्ण स्पर्श को अनुभव करना चाहता था।
(ग) गुरुदेव ने कुत्ते के विषय में लेखक और उसके परिवार से कहा, देखा तुमने, ये आ गए। इन्हें कैसे मालूम हुआ कि मैं यहाँ हूँ, आश्चर्य है! और देखा, इनके चेहरे पर कैसी शांति है।
(घ) जब तक गुरुदेव स्वयं उसे वहाँ से जाने को न कहते।
(ङ) अंतिम विदा के समय कुत्ते का कलश के साथ आना यह दर्शाता है कि पशु में भी संवदेना होती है। अगर हम पशुओं से प्यार करें तो वो भी हमसे प्यार और वफादारी करेंगे।
(च) अपनी गृहस्थी जमाते समय मैना के भाव देखने लायक होते हैं। मैना एक पैर पर खड़ी होकर अपने पंखों को फटकारती है। चोंच को अपने पैरों से साफ करती है, और वे नाना प्रकार की वाणी में गाना शुरू करते है। दोनों के नाच-गान और आनंदमय नृत्य से सारा घर गूँज उठता है।

प्रश्न 6. (क) लेखक प्रायः उनसे मिलने जाया करते थे वे ये शब्द कहकर मुसकरा देते थे।
(ख) कवि की दृष्टि मैना के हृदय तक पहुँच चुकी थी उसकी चाल में उन्हें करुणा का भाव दिखा।
(ग) प्रस्तुत पंक्तियाँ लेखक के भाव को प्रकट करती हैं कि कैसे उनकी आँखें उसके करुण भाव को नहीं देख पाईं और एक कवि दृष्टि वहाँ मैना के हृदय तक पहुँच गई। उन्होंने उसके करुण भाव को महसूस कर लिया।

प्रश्न 7. (क) स + परिवार **(ख)** अ + विश्वास **(ग)** कठिन + आई
(घ) नियम + इत **(ङ)** अ + संभव **(च)** उप + योग

प्रश्न 8. (क) बहुवचन **(ख)** एकवचन **(ग)** बहुवचन **(घ)** बहुवचन
(ङ) बहुवचन **(च)** एकवचन

प्रश्न 9. एवं 10. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 7. तिज़ोरियों का चोर

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. **(क)** एनाबेल की ओर **(ख)** उसने औज़ार निकाले **(ग)** अगाथा
(घ) जिमी वैलंटाइन **(ङ)** वह तिज़ोरी के अंदर बेहोश हो गई थी।

प्रश्न 3. **(क)** जिमी ने वार्डन से कहा।
(ख) जिमी ने माइक से कहा।
(ग) जिमी ने पास खड़े लड़के से पूछा।
(घ) जिमी ने बेन प्राइस से कहा।

प्रश्न 4. **(क)** इंग्लैंड – पाउंड **(ख)** जापान – येन **(ग)** चीन – यूआन
(घ) अमरीका – डॉलर **(ङ)** रूस – रूबल

प्रश्न 5. **(क)** लोगनस्पोर्ट में एक नई और मजबूत तिज़ोरी से डॉलर साफ कर लिए गए थे।
(ख) तिज़ोरी से "पंद्रह सौ डॉलर" की रकम निकाली गई।
(ग) ब्रेन प्राइस की प्रतिक्रिया थी, "लगता है जिमी ने फिर काम शुरू कर दिया है, इस ताले को देखिए कितनी आसानी से निकाला गया है जैसे बरसाती मौसम में मूली उखाड़ी जाती है। जिमी को तिज़ोरियों में छेद करने की ज़रूरत नहीं पड़ती।"
(घ) परिचय + इत, स्वभाव + इक

प्रश्न 6. **(क)** क्योंकि जिमी को उम्मीद थी कि उसके दोस्त माइक की सजा माफ़ कराने की कोशिश की वजह से उसे अधिक-से-अधिक तीन महीना ही जेल में रहना पड़ेगा। जबकि वह चार वर्ष की कैद में से 10 महीने सजा काट चुका था।
(ख) वार्डन ने समझाते हुए कहा, अब आदमी बनकर दिखाओ। मैं जानता हूँ कि तुम दिल के बहुत भले हो। अब ये तिज़ोरियाँ-विजोरियाँ तोड़ना छोड़ो।
(ग) एनाबेल एडम्स से मुलाकात के बाद जिमी ने तिज़ोरी तोड़ने का धंधा छोड़कर उससे शादी करने का फैसला किया।
(घ) जिमी अपने बहुमूल्य औज़ारों से भरी अटैची अपने दोस्त को सुपुर्द करने जा रहा था। उसने तिज़ोरियाँ तोड़ने का काम छोड़ने का फैसला किया था।
(ङ) मे और अगाथा एनाबेल की बड़ी बहन की दो बेटियाँ थीं।
(च) जिमी ने बेन प्राइस से कहा, आखिर आप पहुँच ही गए। चलिए अब चलते हैं कोई फर्क नहीं पड़ता।

प्रश्न 7. **(क)** कर्म कारक **(ख)** करण कारक **(ग)** अपादान कारक
(घ) कर्ता कारक **(ङ)** कर्ता कारक

प्रश्न 8. **(क)** नागरिक **(ख)** उत्सुकता **(ग)** लाचारी **(घ)** चालाकी
(ङ) मान्यता **(च)** सामाजिक **(छ)** विशिष्टता **(ज)** व्यक्तित्व

प्रश्न 9, 10, 11 एवं 12 विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 8. मेरा घनिष्ठ पड़ोसी

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. **(क)** गाढ़ी दोस्ती
(ख) पेड़ कवि को उसका नाम लेकर बुला रहा है।
(ग) सूरज

प्रश्न 3. बरगद, सेमल, शीशम, सेब, अशोक, बबूल, कटहल, पीपल, अमरूद, नीम

प्रश्न 4. **(क)** 'उनका' शब्द का प्रयोग चिड़ियों के लिए किया गया है।
(ख) पक्षी अपना घर समझकर कवि के घर ठहर जाते हैं।
(ग) कवि के अनुसार पक्षी पेड़ के मेहमान हैं।
(घ) कवि को अपना घर चिड़ियों का घोसला लगता है।
(ङ) पूर्वकालिक क्रिया– समझकर, आकर

प्रश्न 5. **(क)** कवि पेड़ को अपना घनिष्ठ पड़ोसी इसीलिए मानता है, उसकी डालें उसके बरामदे में फैली रहती हैं, कवि जब मन चाहे उन्हें सहला सकता है। सुबह के समय कवि को जगाता है। दोनों आपस में घंटों बात करते हैं। दोनों की भाषा भी एक है सुख-दुख की भाषा। पेड़ के मेहमान भी यानी चिड़ियाँ कवि के घर चली जाती हैं।
(ख) जब हवा चलती है तो कवि को लगता है कि पेड़ उसका नाम लेकर उसे पुकार रहा है।
(ग) सुबह की धूप पेड़ को जगाती है। अर्थात् पेड़ के ऊपर सूर्य की किरणें जब पड़ती हैं तो पेड़ बूढ़े दादा की तरह खरखराते हुए कवि को जगा देता है।
(घ) पेड़ और कवि ने पतझड़ की उदासी, वसंत का उल्लास एक साथ मनाया।
(ङ) पेड़ की बगल में बैठकर कवि को एक दोस्त मिला। अपनी-अपनी भाषा में एक-दूसरे का दुख बाँटते। पतझड़ की उदासी और बसंत का उल्लास एक-दूसरे के जन्मदिन की तरह साथ मनाते हैं। लेखक की बेचैन ज़िंदगी को एक नया सवेरा देता है।

प्रश्न 6. **(क)** कवि को पेड़ का नाम और उसकी जात पता नहीं है। कि वो कब जन्मा और उसकी जात क्या है।
(ख) एक जाती हुए ऋतु के जो अनुभव हैं वही मेरी पूँजी हैं वही मेरा सामान हैं।
(ग) पेड़ के पत्तों में चिड़ियों ने अपना घर बनाया।

प्रश्न 7. **(क)** अंतर **(ख)** प्रायः **(ग)** असहज **(घ)** अतिथि

प्रश्न 8. **(क)** वह – पुरुषवाचक सर्वनाम
(ख) किसने – प्रश्नवाचक सर्वनाम
(ग) स्वतः – निजवाचक सर्वनाम
(घ) तुमने – पुरुषवाचक सर्वनाम
(ङ) वे – पुरुषवाचक सर्वनाम
(च) कोई – प्रश्नवाचक सर्वनाम;
उसे – पुरुषवाचक सर्वनाम
(छ) मुझे, उन – पुरुषवाचक सर्वनाम

प्रश्न 9. (क) विशेषण – अच्छी, विशेष्य – कविता, प्रविशेषण – इतनी
(ख) विशेषण – पुराना, विशेष्य – पेड़, प्रविशेषण – एक
(ग) विशेषण – प्यारा-सा, विशेष्य – घोंसला, प्रविशेषण – वह
(घ) विशेषण – सुंदर, विशेष्य – पंख, प्रविशेषण – बहुत

प्रश्न 10.(क) घनिष्ठता **(ख)** पतझड़ **(ग)** बसेरा

प्रश्न 11, 12, 13 एवं 14 विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 9. जय गंगे

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. (क) टोकरी में फूल भरकर ले आया था।
(ख) दोने बना रहा था।
(ग) पानी की धारा पर चढ़ाते थे।
(घ) लोगों को

प्रश्न 3. शिव – महादेव, शंकर; गंगा – भागीरथी, सुरनदी; जंगल – वन, विपिन; ईश्वर – परमात्मा, भगवान

प्रश्न 4. (क) लोटे में पैसे लोगों द्वारा मइया पर चढ़ाये गए चढ़ावे से आ रहे थे।
(ख) ताकि लोगों की नज़र उन पर न पड़े।
(ग) क्योंकि पुजारी जी का ध्यान और तेज़ नज़र तो चढ़ावे से भरे लोटे पर ही टिकी थी।
(घ) चढ़ावा चढ़ाने वाले लोगों की भीड़ की वजह से चंदन लगाने वालों की लाइन अलग लग गई थी।
(ङ) पर्वत, गिरि

प्रश्न 5. (क) संता जंगल से लौट रहा था। उसने देखा पुजारी जी शिवालय के पास ज़मीन पर बैठे कुछ मंत्र पढ़ रहे हैं।
(ख) पुजारी जी ने बताया कि आप लोगों के पुण्य प्रताप से और हमारी सेवा भावना से बम भोले ने यहाँ गंगा माई प्रकट की है।
(ग) संता ने आधी कमाई दान करने की बात इसीलिए मानी क्योंकि पुजारी जी ने क्रोध में तमतमाकर कहा, अरे तुम धर्म के स्थान पर व्यापार करते हो तुम्हारा सत्यानाश हो जाएगा।
(घ) लोग कह रहे थे, कितना पवित्र पानी है, कैसा मीठा है। पुजारी जी की सेवा का फल है। नहीं तो कलयुग में गंगा जी को प्रकट होते कभी सुना है? अब नास्तिकों के मुँहों में कालिख लग गई।
(ङ) संता के मुँह से निकली यह खबर कि मंदिर के पास गंगे माई प्रकट हुई हैं सारी बस्ती में जंगल में लगी आग की तरह फैल गई। आदमियों के झुँड-के-झुँड देखने चले। देखा तो सच ही मंदिर के पास धारा बही जा रही थी। धीरे-धीरे मंदिर के पास भीड़ जमा होने लगी। लोगों ने थोड़ी ही दूरी पर एक कुंड बना दिया पानी वहीं जमा हो रहा था। भक्त वहाँ आचमन करते, छींटे डालते और चलते हुए कहते कितना पवित्र पानी है। मंदिर के आस-पास की जगह किसी तीरथ स्थल से कम नहीं लग रही थी।
(च) कोट-पतलून पहने आदमी ने लोगों को डाँटते हुए कहा, क्या तमाशा लगा रखा है? नल की लाइन टूट गई है सारा पानी बहा जा रहा है, इसे ठीक करना होगा। सब हटो यहाँ से, नहीं तो पुलिस बुलाई जाएगी।
(छ) लेखक ने इस कहानी के माध्यम से हमारे समाज में धर्म के नाम पर फैले अंधविश्वास को उजागर किया है। एक तरफ लोग अंधविश्वास में अपनी धन संपत्ति को दान करने में लगे हैं। दूसरी तरफ पंडित धर्म के नाम पर

धार्मिक अंधविश्वास फैलाकर धन बटोरने में लगे हैं। कहानी के अंतिम पक्ष में लेखक ने अंधविश्वास के पटल खोलकर हमारे समाज को महत्वपूर्ण संदेश दिया है।

प्रश्न 6. (क) पुजारी जी के परमप्रिय शिष्य का नाम मंगरू था।

(ग) गंगा माई प्रकट नहीं हुई थी।

(ङ) ठेले वाले नल की लाइन ठीक करने आए थे।

प्रश्न 7. (क) पूर्वकालिक क्रिया – भागकर, संयुक्त क्रिया – फैला दिया

(ख) पूर्वकालिक क्रिया – आकर, संयुक्त क्रिया – करने लगे

(ग) पूर्वकालिक क्रिया – लेकर, संयुक्त क्रिया – घुसने लगा

(घ) पूर्वकालिक क्रिया – देखकर, संयुक्त क्रिया – चिल्ला उठे

प्रश्न 8. (क) दावानल **(ख)** नास्तिक **(ग)** पुजारी **(घ)** घमंडी

(ङ) ढोंगी **(च)** आस्तिक

प्रश्न 9. (क) नदी **(ख)** अंबु **(ग)** कमल **(घ)** कमीज़

प्रश्न 10, 11 एवं 12 विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 10. झिलमिलाती ज्योति

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. **(क)** दीपक के **(ख)** दीपक के लिए झंडा लेने गया था।
(ग) दीपक ने उससे कुट्टी करने की बात कही। **(घ)** रामा को

प्रश्न 3. उनका जन्म 2 अक्तूबर 1869 को हुआ था। उन्होंने भारत को आज़ादी दिलाई थी। उनके नेतृत्व में भारत 15 अगस्त 1947 को आज़ाद हुआ था। उनकी मृत्यु 30 जनवरी 1948 को हुई थी। इस अनुच्छेद का संबंध महात्मा गांधी से है।

प्रश्न 4. **(क)** दीपक ने माँ से पूछा नौ का घंटा बजा न।
(ख) दीपक का इशारा मृत्यु-मार्ग की ओर था।
(ग) माँ से अब मैं घूमने चलूँ।
(घ) दीपक अपनी माँ से गाँधी जी को पत्र लिखने के लिए कह रहा है।
(ङ) वैचारिक

प्रश्न 5. **(क)** डॉक्टर के अनुसार दीपक के माथे पर गहरे घाव थे इसलिए बर्फ़ नहीं रखी जा सकती।
(ख) दीपक छत से गिरा था। वह राष्ट्रीय झंडा फहराने के लिए छत पर चढ़ा था।
(ग) दीपक ने चोट खाकर भी न रोने का कारण बताया, कि वह राष्ट्रीय झंडा फहराता हुआ गिरा था।
(घ) क्योंकि दीपक को लगा कि अब उसकी अंतिम यात्रा का समय आ गया है।
(ङ) दीपक की मृत्यु से अमल देरासरी के व्यक्तित्व में यह परिवर्तन आया कि उन्होंने जुलूस का नेतृत्व करने का निर्णय लिया। क्योंकि उन्होंने एक बच्चे का देश-प्रेम महसूस किया।

प्रश्न 6. **(क)** पुनरुक्त शब्द **(ख)** पूर्वकालिक क्रिया **(ग)** विदेशज शब्द
(घ) तद्भव शब्द

प्रश्न 7. **(क)** स्त्रीलिंग **(ख)** स्त्रीलिंग **(ग)** पुल्लिग **(घ)** पुल्लिग
(ङ) पुल्लिग **(च)** पुल्लिग (वाक्य छात्र स्वयं बनाएँगे।)

प्रश्न 8, 9 एवं 10 विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 12. जीवन और शिक्षण

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. (क) वे अपने यज्ञ की रक्षा कर सकें।

(ख) यह कर्त्तव्य और कर्म का फल है।

(ग) जो कर्म करता है, उसे।

प्रश्न 3. (क) नई दिल्ली

(ख) वाराणसी (उत्तर प्रदेश)

(ग) पंतनगर (उत्तराखंड)

(घ) हैदराबाद (आंध्र प्रदेश)

(ङ) रोहतक (हरियाणा)

प्रश्न 4. (क) जो चीज हमारे लिए जितनी जरूरी है, उसको उतनी ही सुलभता से मिलने का इंतजाम ईश्वर ने किया हुआ है।

(ख) क्योंकि हवा पानी से ज्यादा जरूरी है तो ईश्वर ने हवा की उपलब्धता को ज्यादा सुलभ किया है।

(ग) पानी की अपेक्षा अन्न की ज़रूरत कम होने के कारण अन्न प्राप्त करने में अधिक परिश्रम करना पड़ता।

(घ) हम निकम्मे, और जड़-जवाहरात जमा करने में जितने जड़ बन जाएँ, उतनी तकलीफ़ इससे हमें होगी। यही हमारी जड़ता का दोष है।

(ङ) अपेक्षा = आशा, उपेक्षा = तिरस्कार

प्रश्न 5. (क) आधुनिक शिक्षण-पद्धति में मनुष्य अमुक वर्ष के आखिरी दिन तक जीवन के विषय में पूर्ण रूप से ज़िम्मेदार रहे तो कोई हर्ज़ नहीं। यह नहीं उसे गैर-जिम्मेदार रहना भी चाहिए। और आगामी वर्ष के पहले दिन से ही सारी ज़िम्मेदारी उठा लेने को तैयार हो जाना चाहिए। आधुनिक शिक्षण-पद्धति में युवा सपने देखते हैं लेकिन घर-गृहस्थी का भार आते ही सब चकनाचूर हो जाते हैं। जीवन की ठोकरें खाने के बाद ही उसे वास्तविक ज्ञान प्राप्त होता है न कि किताबें पढ़कर।

(ख) संपूर्ण गैर-जिम्मेदारी से संपूर्ण जिम्मेदारी में कूदना को हनुमान कूद कहा गया है। क्योंकि व्यक्ति किताबों से जो सीखता है वह संपूर्ण ज्ञान की सच्चाई से अलग है। जीवन में जिम्मेदारी उठाने के लिए उसे जीवन के अनुभवों से भी ज्ञान अर्जित करना होगा।

(ग) बीस-बाइस वर्ष का युवक अध्ययन में लीन रहता है और तरह-तरह के ऊँचे विचारों के महल बनाता रहता है।

(घ) जीवन और मरण दोनों ही आनंद की वस्तु होनी चाहिए। अपने परमप्रिय पिता परमेश्वर ने जीवन दुखमय नहीं रचा। हमें जीवन जीना आना चाहिए। पानी से अन्न की ज़रूरत कम होने के कारण हमें पानी की अपेक्षा अन्न प्राप्त करने में ज्यादा परिश्रम करना पड़ता है। अगर परिश्रम न करके हम निकम्मे, जड़-जवाहरात जमा करने में लगे रहेंगे तो हमें उतनी ही तकलीफ़ होगी। हमारा जीवन और मरण दोनों ही कष्ट दायक होंगे।

(ङ) 'बच्चों को जीने दो' लेखक ने इसलिए कहा जिस प्रकार व्यवहार में काम करने वाले आदमी को शिक्षण मिलता ही रहता है वैसे ही छोटे बच्चों को भी मिले। छोटे बच्चों में उतनी शक्ति नहीं आई है इसलिए उनके आस-पास ऐसा वातावरण बनाना चाहिए कि वे ठोंकरे न खाने पाएँ। वे धीरे-धीरे स्वावलंबी बनें ऐसी अपेक्षा और योजना होनी चाहिए।

(च) जीवनोपयोगी परिश्रम को शिक्षण में स्थान मिलना चाहिए। इस उपयोगी परिश्रम वाले यज्ञ से जीवन के दो खंड न होंगे। जीवन की ज़िम्मेदारी अचानक आ पड़ने से उत्पन्न होने वाली अड़चन पैदा न होगी। अनजाने शिक्षा मिलती रहेगी पर शिक्षण का मोह न चिपकेगा और निष्काम कर्म की प्रवृति विकसित होगी।

प्रश्न 6. (क) इधर-उधर = स्थानवाचक क्रियाविशेषण

(ख) धीरे-धीरे = रीतिवाचक क्रियाविशेषण

(ग) ठीक से = रीतिवाचक क्रियाविशेषण

(घ) बाद में = कालवाचक क्रियाविशेषण

(ङ) खूब = परिमाणवाचक क्रियाविशेषण

प्रश्न 7. (क) दुर्लभ **(ख)** लिप्त **(ग)** परावलंबी **(घ)** जवाब **(ङ)** दुर्जन **(च)** अविकसित

प्रश्न 8, 9, एवं 10. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 13. राजा और पुजारी

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. (क) सही **(ख)** सही **(ग)** गलत **(घ)** गलत **(ङ)** सही

प्रश्न 3. (क) पुजारी ही थे। **(ख)** निकाल दिया होगा।

(ग) आधे देवता समझे जाने लगे।

प्रश्न 4. (क) व्यक्तिगत पत्र **(ख)** प्रार्थना पत्र **(ग)** सरकारी पत्र

(घ) व्यावसायिक पत्र **(ङ)** निमंत्रण पत्र

प्रश्न 5. (क) मज़दूर खेतों या शहरों में समाज के फ़ायदे के लिए काम करते हैं।

(ख) मज़दूरों को अभागा इसलिए कहा गया है क्योंकि हर एक आदमी के द्वारा काम करने पर मुश्किल से गुजारे भर को मेहनताना मिलता था। उनकी कमाई का एक बड़ा हिस्सा दूसरों के हाथों में पड़ जाता था।

(ग) राजा और उसके दर्जे के दूसरे आदमी, अमीर और उनकी टोली के दूसरे लोग, जिनमें दरबारी शामिल थे, मज़दूरों से उनकी कमाई का बड़ा हिस्सा छीन लेते थे।

प्रश्न 6. (क) शुरू में जब जातियाँ बनीं तो ज़मीन किसी एक आदमी की न होकर जातिभर की होती थी।

(ख) मंदिर के पुजारी जमींदार बन गए क्योंकि मंदिरों के कब्जे में भी ज़मीन थी।

(ग) जंगली लोगों ने कई चीज़ों को देवता या देवी बना लिया जैसे–नदी, पहाड़, सूरज, पेड़, जानवर और बाज।

(घ) क्योंकि लोगों की दशा बच्चों जैसी थी वे मूर्ति के बिना पूजा ही नहीं कर सकते थे, इसलिए अपने मंदिरों में मूर्तियाँ रखते थे।

(ङ) पत्र में पुजारियों को बुद्धिमान व्यक्ति कहा गया है क्योंकि वे लोग हर तरह से आदमियों की जिंदगी से घुले-मिले रहते थे। और हरएक आदमी मुसीबत या बीमारी में उनके पास आते थे।

प्रश्न 7. (क) पुल्लिंग **(ख)** पुल्लिंग **(ग)** स्त्रीलिंग **(घ)** पुल्लिंग

(ङ) स्त्रीलिंग **(च)** स्त्रीलिंग

प्रश्न 8. (क) देवी और देवता = द्वंद्व समास

(ख) जो धर्म में विश्वास न रखता हो = कर्मधारय समास

(ग) पीला हो वस्त्र जिसका अर्थात् श्रीकृष्ण = बहुब्रीहि समास

(घ) शक्ति के योग्य = अव्ययीभाव समास **(ङ)** राजा का दरबार = तत्पुरुष समास

(च) जिनके भाग्य अच्छे न हों = कर्मधारय समास

प्रश्न 9, 10, 11 एवं 12. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 14. गिरिधर की कुँडलियाँ

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. (क) गिरिधर
(ख) अपनी गलती से पैदा होने वाला दुख देर तक चुभता है।
(ग) जो बिना सोचे-विचारे किया गया हो।
(घ) गिरि अर्थात पर्वत को धारण करने वाला।

प्रश्न 3. (क) रहीम **(ख)** कबीर **(ग)** मीराबाई **(घ)** भूषण **(ङ)** रसखान

प्रश्न 4. (क) काम होने के बाद पछताना मूर्खता है।
(ख) जब हम बिना सोचे-विचारे कार्य करते हैं।
(ग) हमारे मन में खेद होने का मुख्य कारण है कि जब हम कार्य बिना सोचे-समझे करते हैं और कार्य गलत हो जाता है।
(घ) सज्जन

प्रश्न 5. (क) बिना सोच-विचारकर कार्य करने से मनुष्य सभी के लिए हँसी का पात्र बन जाता है तथा बाद में उसे पछताना पड़ता है। बिना विचारे काम करने से काम तो बिगड़ता ही है मनुष्य के मन में शांति भी नहीं रहती।
(ख) हाँ, कभी-कभी बहुत सोच-विचारकर लिया फैसला भी मूर्खता हो सकता है। ऐसी स्थिति में मनुष्य को उस गलत फैसले से सबक लेकर उसे भुला देना चाहिए। अपनी मूर्खता पर पछताना नहीं चाहिए बल्कि भविष्य के बारे में सोचना चाहिए। उसे ध्यान में रखना चाहिए कि यह दोबारा न हो।
(ग) इंसान को अपना ध्यान (चित्त) अपने काम और भविष्य के बारे में सोचने में लगाना चाहिए।
(घ) जो सुगमता से संभव हो सके। हमसे जो गलती हो गई उसे सुधार लेना चाहिए और आगे भविष्य में सहजता से संभव होने वाले काम पर ध्यान देना चाहिए।

प्रश्न 6. कवि कहते हैं जो बीत गया उसे भूल जाओ। काम होने के बाद पछतावा करना मूर्खता है। मन में विश्वास लिए यानी आत्मविश्वास के साथ भविष्य के बारे में सोचना चाहिए।

प्रश्न 7. (क) आठ आने का समूह = द्विगु समास
(ख) आटा और दाल = द्वंद्व समास
(ग) चार पाए वाला/वाली = द्विगु समास
(घ) भाई और बहन = द्वंद्व समास
(ङ) खान और पान = द्वंद्व समास **(च)** राग और रंग = द्वंद्व समास
(छ) गिरि को धारण करने वाला अर्थात् श्रीकृष्ण = बहुब्रीहि समास
(ज) कवियों का राजा = कर्मधारय समास

प्रश्न 8. (क) पछताना **(ख)** मज़ाक का पात्र बनना **(ग)** बीती बातों को दोहराना
(घ) बुरा लगना

प्रश्न 9. (क) बेचैनी **(ख)** सुगम **(ग)** इज्ज़त **(घ)** असुविधा

प्रश्न 10 एवं 11. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 15. तोत्तोचान

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. (क) जब वह कुर्सी से ऊपर चढ़ी और सीढ़ी के किनारे को पकड़ लिया तब उसने यासुकीचान को पुकारा।
(ख) जब तोत्तोचान को हँसाने के लिए यासुकीचान को गाल फुलाकर तरह-तरह के चेहरे बनाने पड़े।
(ग) जब देर तक तोत्तोचान यासुकीचान का हाथ थामे रही। तब बोली।
(घ) जब काफी मेहनत के बाद, तोत्तोचान और यासुकीचान दोनों आमने-सामने पेड़ की डाल पर बैठे थे।

प्रश्न 3. (क) उसके हाथ-पैर कमज़ोर थे।
(ख) उसे यासुकीचान की सहायता करनी थी।
(ग) वह हताश हो गया था।

प्रश्न 4. हैजा, डेंगू, पोलियो, मलेरिया, चिकनगुनिया, कैंसर, पीलिया, रतौंधी

प्रश्न 5. (क) तोत्तोचान स्कूल पहुँची।
(ख) यासुकीचान स्कूल के मैदान में क्यारियों के पास खड़ा था।
(ग) तोत्तोचान यासुकीचान अपने पेड़ की ओर ले गई।
(घ) सीढ़ी को तोत्तोचान ने तने के सहारे लगाया।
(ङ) हाथ = हस्त, कर; रात = निशा, रात्रि

प्रश्न 6. (क) तोत्तोचान ने यासुकीचान को इसलिए आमंत्रित किया ताकि यासुकीचान को अपने पेड़ पर चढ़ाकर तमाम नई-नई चीज़ें दिखाए।
(ख) तोत्तोचान ने अपनी माँ से झूठ बोला कि वह यासुकीचान के घर डेनेनचोफु जा ही है।
(ग) तोत्तोचान की हार्दिक इच्छा था कि यासुकीचान को अपने पेड़ पर आमंत्रित कर तमाम नई-नई चीज़ें दिखाए।
(घ) जब तोत्तोचान की यासुकीचान को सीढ़ी से पेड़ पर लाने की हर कोशिश बेकार रही और यासुकीचान सीढ़ी थामे तोत्तोचान की ओर ताकने लगा। तब तोत्तोचान की रुलाई छूटने को हुई।
(ङ) तोत्तोचान और यासुकीचान दोनों पेड़ पर बैठकर इधर-उधर की गप्पें लड़ाने लगे। दोनों बेहद खुश थे।

प्रश्न 7. (क) संयुक्त वाक्य **(ख)** सरल वाक्य **(ग)** सरल वाक्य **(घ)** मिश्र वाक्य
(ङ) संयुक्त वाक्य **(च)** मिश्र वाक्य

प्रश्न 8. (क) साहसिक **(ख)** शिष्टता **(ग)** स्थिरता **(घ)** लंबाई **(ङ)** खिंचाई
(च) अंतहीन **(छ)** मेहनती **(ज)** अधिकता

प्रश्न 9. (क) तोत्तोचान माँ की आँखों में झाँकने लगी।
(ख) वह पेड़ की मोटी डाल थामे था। **(ग)** यह सीढ़ी नहीं डगमगाएगी।
(घ) क्या चौकीदार देख रहा है? **(ङ)** उसकी रुलाई छूट गई।

प्रश्न 10, एवं 11. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 16. मिलावट

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. **(क)** ईमानदार **(ख)** शादी करना चाहता था **(ग)** मशीन बन गई थी।
(घ) शरीफ़पुरा

प्रश्न 3. **(क)** लोहे का बुरादा **(ख)** खेसरी की दाल **(ग)** वनस्पति
(घ) पपीते के बीज **(ङ)** कँटीली का तेल **(च)** पत्थर का चूरा

प्रश्न 4. **(क)** अली मुहम्मद ने सोचा कि शहद छोड़ दूँ।
(ख) अलीमुहम्मद लाहौर के लिए चल पड़ा।
(ग) गाड़ी में किसी जेबकतरे ने बड़ी सफाई से अली मुहम्मद के बचे रुपए गायब कर दिए।
(घ) अली मुहम्मद ने अपने मन को समझाया कि शायद खुदा को यही मंजूर हो।
(ङ) वह बाजार से अपने बाल कटवाकर लौटा।

प्रश्न 5. **(क)** अली मुहम्मद की दुकान अमृतसर में थी।
(ख) अली मुहम्मद के पिता, बचपन में ही अल्लाह को प्यारे हो गए थे। उसकी न कोई बहन थी और न कोई भाई। वह बिलकुल अकेला था। जब वह दस वर्ष का था, उसने अखबार बेचने शुरू किए। उसके बाद खोमचा लगाया, फिर कुलफ़ियाँ बेचीं। जब उसके पास एक हजार रुपये जमा हो गए तो उसने एक छोटी-सी दुकान किराए पर ले ली और मनिहारी का सामान खरीद कर बैठ गया।
(ग) अली मोहम्मद ने पैसे लेकर शादी कराने वाले एक बुजुर्ग की सहायता ली।
(घ) अली की शादी धोखे से गलत लड़की से करा दी गई थी इससे परेशान होकर उसने शहर छोड़ने की ठानी और अपनी दुकान बेच डाली।
(ङ) लाहौर जाकर अली मुहम्मद ने हल्दी और मिर्च पीसने वाली एक चक्की में 20 रुपये माहवार पर दस वर्ष तक नौकरी की। वहाँ उसने देखा कि हल्दी में पीली मिट्टी की, और मिर्ची में लाल सुखी ईंटों की मिलावट की जाती है। नौकरी के दौरान उसने पाँच सौ रुपये बचा लिये और अपनी चक्की खोल ली। अली मुहम्मद ने भी मिर्च और हल्दी में मिलावट का काम शुरू कर दिया।
(च) अली मुहम्मद को पुलिस ने मिलावट करने के जुर्म में गिरफ्तार कर लिया।
(छ) ज़हर खाने के बाद भी अली मुहम्मद इसीलिए नहीं मरा क्योंकि ज़हर में भी मिलावट थी।

प्रश्न 6. **(क)** अली मुहम्मद ने दुकान खोली और सामान बेचने लगा।
(ख) वह शादी रचाकर दुलहन को घर ले आया।
(ग) अली मुहम्मद दुकान बेचकर लाहौर चला गया।

प्रश्न 7. **(क)** लाभ **(ख)** समाचारपत्र **(ग)** निश्चिंत **(घ)** वस्तु
(ङ) अधिक **(च)** मासिक **(छ)** न्यायालय **(ज)** क्षमा

प्रश्न 8, 9, एवं 10. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 18. ईद मुबारक

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. (क) प्रेम और भाईचारे की डाली को।
(ख) निर्मल स्वभाव ग्रहण करना।
(ग) जीवन को हर प्रकार से सुंदर बनाना।

प्रश्न 3. (क) बिहु = असम **(ख)** ओणम = केरल **(ग)** पोंगल = तमिलनाडु
(घ) छठ = बिहार **(ङ)** अक्खा तीज = राजस्थान **(च)** बैसाखी = पंजाब

प्रश्न 4. (क) इस को जीवन के अनेक दुखों और उतार-चढ़ाव के कारण खारे पानी यानी दुखों का समुद्र कहा गया।
(ख) यदि हम दुखों के समुद्र में प्यार की नाव चलाएँ तथा एक-दूसरे के सुख-दुख को बाँटें तो हँसी-खुशी से दुखों के समुद्र को तर जाएँगे।
(ग) हमको तुमको कहकर कवि एक-दूसरे को ईद मुबारक देने, प्यार में बंध जाने की ओर संकेत कर रहा है।
(घ) 'हँसी' और 'खुशी' – भाववाचक संज्ञा हैं।

प्रश्न 5. (क) कवि ने ईद को प्रेम से एक-दूसरे से एकजुट होने, कमल की तरह खिलकर खुशियाँ बाँटने से, एक-दूसरे से सुख-दुख बाँटने, आज़ादी के दीवानों के तेज से, सूरज तथा चाँद की तरह जगमगाने से और लोगों के दिलों में मानवता भरने वाली मीठी ईद से जोड़ा है।
(ख) 'एक-दूसरे की बाँहों में बंध जाना' का अर्थ है मनुष्य एकजुट होकर प्यार से रहे और एक-दूसरे के सुख-दुख बाँटे।
(ग) कवि ने ईद-मुबारक का प्रथम अंश में बहुत सुंदर चित्र खींचा है। एक-दूसरे से गले मिलने और एकजुट होना, कमल की तरह खिलकर खुशियाँ बाँटना, दुखों के समुद्र को प्यार की नाव की तरह चलाकर तर जाना, एक-दूसरे के सुख-दुख बाँटना। सबको ईद मुबारक कहकर कवि ने आपस में जोड़ने का प्रयत्न किया है।

प्रश्न 6. (क) हमको और तुमको = द्वंद्व **(ख)** जो बूझने योग्य न हो = कर्मधारय
(ग) कमल के समान नयन = कर्मधारय **(घ)** रूप और रंग = द्वंद्व
(ङ) हँसी और खुशी = द्वंद्व **(च)** चंद्रमा की किरण = तत्पुरुष

प्रश्न 7. (क) विशेषण **(ख)** जातिवाचक संज्ञा **(ग)** क्रियाविशेषण **(घ)** क्रिया

प्रश्न 8 एवं 9. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 19. खेल

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. (क) जब पड़ोस के भाड़ को सुरबाला ने पूरा-पूरा याद किया।

(ख) भाड़ में धुआँ निकलने की जगह नहीं थी।

(ग) एक सींक टेढ़ी करके उसमें गाड़ दी।

प्रश्न 3. (क) क्रिकेट = इंग्लैंड **(ख)** बास्केटबॉल = अमरीका

(ग) सूमो कुश्ती = जापान **(घ)** टेनिस = फ्रांस **(ङ)** कबड्डी = भारत

प्रश्न 4. (क) बालिका ने दो-एक पक्के हाथ भाड़ पर लगाकर जाँचा-परखा कि भाड़ सचमुच तैयार हो गया है।

(ख) सुरबाला ने ठीक माँ की तरह की भावना से काम लिया। माँ जिस सर्तक-सावधानी के साथ अपने नवजात शिशु को बिछौने पर लिटाने को छोड़ती है, वैसे ही सुरबाला ने अपना पैर धीरे-धीरे भाड़ के नीचे से खींच लिया।

(ग) सुरबाला मनोहर को अपनी कारीगरी दिखाना चाह रही थी।

(घ) सुरबाला ने मनोहर के लिए विचार व्यक्त किए कि मनोहर कैसा अच्छा है पर वह दंगई बड़ा है हमें छेड़ता ही रहता है। अबकी बार दंगा करेगा तो उसे हम कुटी में साझी नहीं करेंगे। साक्षी होने को कहेगा तो शर्त करवा लेंगे, तब साझी करेंगे।

(ङ) नीचे, धीरे-धीरे।

प्रश्न 5. (क) बालिका भाड़ बनाते समय बुदबुदा रही थी, देख ठीक नहीं बना तो मैं मुझे फोड़ दूँगी।

(ख) सुरबाला मनोहर के बारे में सोच रही थी कि मनोहर कैसा अच्छा है पर वह दंगई बड़ा हैं हमें छेड़ता ही रहता है। अब की बार दंगा करेगा, तो हम उसे कुटी में साझी नहीं करेंगे। साझी होने को कहेगा तो उससे शर्त करवा लेंगे।

(ग) मनोहर जब पानी से नाता तोड़कर मुड़ा तब उसने देखा, सुरबाला एकटक अपनी परमात्मा-लीला यानी अपने भाड़ के जादू को बुझाने और सुलझाने में लगी हुई थी।

(घ) मोहन ने देखा सुरबाला अपने भाड़ में अटकी हुई है उसने ज़ोर से कहकहा लगाकर एक ताल में भाड़ तोड़ दिया।

(ङ) सुरबाला ने मनोहर से भाड़ बनवाकर एक लात से भाड़ के सिर को चकनाचूर कर दिया।

(च) सुरबाला का पात्र हमें ज्यादा अच्छा लगा। वह किसी मँझे हुए कारीगर की तरह भाड़ तैयार करती है, मनोहर एक पल में भाड़ को चकनाचूर कर देता है। चतुर सुरबाला मनोहर से वैसा ही भाड़ बनवाती है और ठीक उसी तरह तोड़ती जैसे मनोहर ने तोड़ा था। सुरबाला का चातुर्यपन और उसकी कारीगरी प्रशंसनीय है।

(छ) बच्चों का खेल-खेल में कला प्रदर्शन और उनकी शैतानियाँ, नटखट पन को देखते हुए 'खेल' शीर्षक सार्थक है। कहानी का दूसरा शीर्षक 'बालमन' भी हो सकता है।

प्रश्न 6. (क) उस सुनसान जगह पर सुरबाला और मनोहर की निश्च्छल निष्कपट बाल–हँसी लहरों की तरह उछाल मारती हुई विलय हो गई।

(ख) सुरबाला को पुकारती मनोहर की आवाज हठात् कंपी–सी निकली अर्थात उसकी आवाज में कंपन था। जिससे वह रूठने का नाटक और नहीं कर सकी।

(ग) बालिका से बिना बोले इसलिए नहीं रहा गया, क्योंकि उसको लगा कि मनोहर रो रहा है।

प्रश्न 7. (क) दंगई **(ख)** आश्रय **(ग)** भाड़ **(घ)** गुलाबी

प्रश्न 8. (क) आत्मीयता **(ख)** मित्रता **(ग)** व्यथा **(घ)** सतर्कता **(ङ)** हँसी

प्रश्न 9. (क) तत्सम **(ख)** तद्भव **(ग)** विदेशज **(घ)** विदेशज **(ङ)** तत्सम **(च)** विदेशज

प्रश्न 10.(क) गुणवाचक विशेषण **(ख)** गुणवाचक विशेषण **(ग)** गुणवाचक विशेषण **(घ)** संख्यावाचक विशेषण **(ङ)** सार्वनामिक विशेषण **(च)** संकेतवाचक विशेषण **(छ)** गुणवाचक विशेषण **(ज)** गुणवाचक विशेषण

प्रश्न 11, 12, 13 एवं 14. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 20. जेल का जीवन

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. **(क)** गलत **(ख)** गलत **(ग)** सही **(घ)** सही **(ङ)** गलत

प्रश्न 3. **(क)** अपने **(ख)** सर्तकता की **(ग)** अंग्रेज अधिकारी **(घ)** उनकी सेना

प्रश्न 4. **(क)** सन् 1885 **(ख)** सन् 1920 **(ग)** सन् 1857 **(घ)** सन् 1942
(ङ) सन् 1919

प्रश्न 5. **(क)** कानपुर जेल के अधिकांश कैदियों ने बताया कि जेल की आधी आबादी जोशीले और उत्साही युवकों की है।

(ख) पुलिस आदमी में बढ़े हुए हौंसले, जोश, आगे बढ़कर काम करने की उमंग, इन बातों को अपने काम-धंधों में बाधा समझती थी।

(ग) क्योंकि शाम होते ही कोठरियों पर ताले लगा दिए जाते थे। एक-एक कोठरी का ताला सवेरे छह बजे के बाद ही खोला जाता था।

(घ) पद–चिह्न = पद (पैर) का चिह्न – तत्पुरुष;
अधिकांश = अधिक + अंश – संधि

प्रश्न 6. **(क)** कानपुर जाते समय लेखक के कानों में 'वंदे मातरम्', 'महात्मा गांधी की जय' की ध्वनियाँ पड़ीं। उन्होंने नजर घुमाकर देखा, पुलिस गार्ड के बीच अनेक युवक चलते हुए देखे जिनके पैरों में बेड़ियाँ जकड़ी थीं। हाथ-पैर बँधे हुए थे। तो भी जुबानों से बढ़कर हृदय खुले थे। उन्होंने जयगान किया, माता की वंदना की।

(ख) बंदी युवक मलीहाबाद के जेल में रहने वाले थे।

(ग) शाम होते ही जेल की कोठरियों पर ताले लगा दिए जाते थे। एक-एक कोठरी में कई-कई आदमी ठूँस दिए जाते थे। कोठरी का ताला सवेरे छह: बजे के बाद ही खोला जाता था।

(घ) लेखक ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि जेल में गीता और रामायण खूबी पढ़ी जाती थी। आर्यसमाजी भाइयों ने हवन कुंड बना लिया था। एकादशी का व्रत रखा जाता था। किसी न किसी बैरक में संध्या को ज़ोर से प्रार्थना की जाती थी, कुरान पढ़ी जाती थी। मुसलमान पाँचों वक्त नमाज पढ़ते थे।

प्रश्न 7. **(क)** विदेशज **(ख)** तद्भव **(ग)** विदेशज **(घ)** तत्सम **(ङ)** विदेशज
(च) तद्भव **(छ)** तद्भव

प्रश्न 8. किट-किट, उठ-उठ, बैठे-बैठे, जल्दी-जल्दी

प्रश्न 9, 10 एवं 11. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 21. कितनी ज़मीन

प्रमुख प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 2. (क) छोटी बहन ने बड़ी बहन से कहा। **(ख)** किसान ने कोल सरदार से कहा।
(ग) कोल सरदार ने किसान के मित्र से कहा।

प्रश्न 3. (क) मालदार कैसे बना जाए, इस सोच में। **(ख)** किसान को ज़मीन खरीदनी थी।
(ग) किसान की पत्नी के। **(घ)** उन्हें काट दिया गया।

प्रश्न 4. (क) 12 **(ख)** 3 **(ग)** 1760 **(घ)** 2.54 **(ङ)** 38.37 **(च)** 8

प्रश्न 5. (क) तेज़ गर्मी के बावजूद किसान चलता ही गया। क्योंकि उसने सोचा कि तकलीफ़ घड़ी दो घड़ी की है, आराम जिंदगीभर का हो जाएगा।
(ख) किसान न जमीन की दो भुजाएँ ज्यादा नाप डाली थीं।
(ग) किसान ने देखा कि सूरज कोई दो-तिहाई चक्कर काट चुका था।
(घ) अंत में किसान ने सोचा कि मेरी ज़मीन की एक भुजा छोटी रह जाएगी तो छोटी ही सही लेकिन सीधी लकीर में मुझे वापस चलना चाहिए।
(ङ) गद्यांश का शीर्षक – 'इच्छा और जीवन' हो सकता है।

प्रश्न 6. (क) छोटी बहन ने बड़ी बहन को कहा, हम सीधे-साधे हैं तो क्या, चिंता से तो छूटे हैं, तुम्हारे यहाँ आमदनी बहुत है। लेकिन एक रोज़ वह सब हवा भी हो सकती, जीजी! हमारे गाँव के जीवन में जोखिम नहीं है। हम मालदार न कहलाएँगे। लेकिन हमारे पास खाने को कमी न होगी। यही सोचकर हमें संतोष मिलता है।
(ख) दोनों बहनों की बातें सुनकर किसान ने सोचा, हाँ हमारे पास भी ज़मीन काफी नहीं है। हमारे पास भी ढेर सारी ज़मीन हो तो हम भी मालदार बन जाएँगे।
(ग) नदी के पार कोल जाति की ज़मीन बिकने वाली थी।
(घ) ज़मीन की दर एक दिन के एक हज़ार रुपए थी।
(ङ) किसान को केवल दो गज जमीन नसीब हुई वह भी अपनी जान देकर।

प्रश्न 7. (क) इस कथन का आशय यह है कि किसान के पाँव चलते-चलते कट-छिल गए थे। टाँगें जवाब दे रही थीं लेकिन सूरज छिपने से पहले उसे वहाँ पहुँचना था। अब उसके मन में ये विचार आने लगे, "मैंने इतने पैर..."
(ख) किसान नंगे और कटे-छिले पाँव से दौड़ते-दौड़ते अपने लक्ष्य पर तो पहुँच गया था, लेकिन अपनी जान देकर। उसे सिर से पाँव तक केवल दो गज ज़मीन ही नसीब हुई।

प्रश्न 8. (क) मित्रता **(ख)** सफ़ाई **(ग)** शिकारी **(घ)** कठिनाई **(ङ)** समीपता
(च) निशानी **(छ)** मालदार **(ज)** खरीदारी

प्रश्न 9. (क) सूर्य + उदय **(ख)** सम् + तोष **(ग)** सम् + मान **(घ)** यदि + अपि
(ङ) प्रति + एक **(च)** परम + अर्थ

प्रश्न 10. (क) द्वंद्व समास **(ख)** द्वंद्व समास **(ग)** अव्ययीभाव समास
(घ) द्विगु समास **(ङ)** द्विगु समास

प्रश्न 11, 12, 13 एवं 14. विद्यार्थी स्वयं करें।